

| Aufstellung          | Aufschlagfolge         |                                  | S<br>A<br>T<br>Z<br><br>1 | Start<br>14:00 |          | Ⓐ AC Taucha |    |    |         |        |         | S       | Ende<br>14:22 |    | Ⓑ LE Volleys ... |       |        |         |  |  | R |
|----------------------|------------------------|----------------------------------|---------------------------|----------------|----------|-------------|----|----|---------|--------|---------|---------|---------------|----|------------------|-------|--------|---------|--|--|---|
|                      | Startaufstellung       |                                  |                           | I              | II       | III         | IV | V  | VI      | Punkte | I       | II      | III           | IV | V                | VI    | Punkte |         |  |  |   |
|                      | Auswechsel-<br>spieler | Spiellernr.                      |                           | 6              | 13       | 14          | 4  | 12 | 19      | 25     | 9       | 3       | 21            | 29 | 24               | 11    | 15     |         |  |  |   |
|                      |                        | Spielstand                       |                           |                |          |             |    |    |         |        |         |         |               |    |                  |       |        |         |  |  |   |
|                      |                        |                                  |                           |                |          |             |    |    |         |        |         |         |               |    |                  |       |        |         |  |  |   |
| Aufschlag-<br>runden |                        | 1. 5.<br>2. 6.<br>3. 7.<br>4. 8. | 4<br>20                   | 10<br>24       | 11<br>25 | 12          | 13 | 17 | Auszeit |        | X<br>11 | 5<br>12 | 7<br>15       | 8  | 9                | 10    |        | Auszeit |  |  |   |
|                      |                        |                                  |                           |                |          |             |    |    |         |        |         |         |               |    |                  | 10:16 |        |         |  |  |   |

| Aufstellung          | Start<br>14:25 |        | Ⓑ LE Volleys ... |      |     |    |        |             | S       | Ende<br>14:45 |    | Ⓐ AC Taucha |    |        |         |  |  | R |
|----------------------|----------------|--------|------------------|------|-----|----|--------|-------------|---------|---------------|----|-------------|----|--------|---------|--|--|---|
|                      | I              | II     | III              | IV   | V   | VI | Punkte | I           | II      | III           | IV | V           | VI | Punkte |         |  |  |   |
|                      | 3              | 21     | 29               | 24   | 11  | 9  | 9      | 6           | 13      | 14            | 4  | 12          | 19 | 25     |         |  |  |   |
|                      |                |        |                  |      | 7   |    |        | 3           |         |               |    |             |    |        |         |  |  |   |
|                      |                |        |                  |      | 1:9 |    |        | 14:2        |         |               |    |             |    |        |         |  |  |   |
|                      |                |        |                  | 2:15 |     |    |        |             |         |               |    |             |    |        |         |  |  |   |
| Aufschlag-<br>runden |                | 1<br>9 | 2                | 3    | 6   | 7  | 8      | Auszeit     | X<br>24 | 9<br>25       | 15 | 16          | 18 | 22     | Auszeit |  |  |   |
|                      |                |        |                  |      |     |    |        | 1:6<br>2:15 |         |               |    |             |    |        | 16:6    |  |  |   |

| Aufstellung     | Aufschlagfolge                   |               | SATZ          | Start 14:48   |         | Ⓐ AC Taucha |         |         |              |        |              | S             | Ende 15:10 |         | Ⓑ LE Volleys ... |         |        |  |  |  | R |
|-----------------|----------------------------------|---------------|---------------|---------------|---------|-------------|---------|---------|--------------|--------|--------------|---------------|------------|---------|------------------|---------|--------|--|--|--|---|
|                 | Startaufstellung                 |               |               | I             | II      | III         | IV      | V       | VI           | Punkte | I            | II            | III        | IV      | V                | VI      | Punkte |  |  |  |   |
|                 | Auswechselspieler                | Spiellernr.   |               | 23            | 13      | 14          | 4       | 12      | 19           | 25     | 7            | 8             | 21         | 29      | 24               | 11      | 18     |  |  |  |   |
|                 |                                  | Spielstand    |               |               |         |             |         | 22      |              |        |              |               |            |         |                  |         |        |  |  |  |   |
|                 |                                  |               |               |               |         |             |         | 7:6     |              |        |              |               |            |         |                  |         |        |  |  |  |   |
| Aufschlagrunden | 1. 5.<br>2. 6.<br>3. 7.<br>4. 8. | 0<br>11<br>19 | 2<br>12<br>23 | 5<br>14<br>25 | 6<br>16 | 7<br>17     | 9<br>18 | Auszeit | X<br>7<br>15 |        | 1<br>8<br>16 | 2<br>11<br>18 | 3<br>12    | 5<br>13 | 6<br>14          | Auszeit |        |  |  |  |   |

| Aufstellung     | I | II | III | IV | V | VI | Punkte  | I | II | III | IV | V | VI | Punkte  |
|-----------------|---|----|-----|----|---|----|---------|---|----|-----|----|---|----|---------|
|                 |   |    |     |    |   |    |         |   |    |     |    |   |    |         |
|                 |   |    |     |    |   |    |         |   |    |     |    |   |    |         |
|                 |   |    |     |    |   |    |         |   |    |     |    |   |    |         |
|                 |   |    |     |    |   |    |         |   |    |     |    |   |    |         |
| Aufschlagrunden |   |    |     |    |   |    | Auszeit |   |    |     |    |   |    | Auszeit |

| Aufstellung |  | Aufschlagfolge |  | SATZ 5 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 6 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 8 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 9 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 11 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 12 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 13 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 14 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 15 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 16 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 17 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 18 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 19 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 20 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 21 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 22 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 23 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 24 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 25 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 26 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 27 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 28 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 29 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 30 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 31 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 32 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 33 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 34 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 35 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 36 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 37 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 38 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 39 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 40 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 41 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 42 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 43 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 44 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 45 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 46 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 47 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 48 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 49 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 50 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 51 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 52 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 53 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 54 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 55 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 56 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 57 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 58 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 59 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 60 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 61 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 62 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 63 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 64 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 65 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 66 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 67 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 68 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 69 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 70 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 71 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 72 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 73 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 74 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 75 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 76 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 77 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 78 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 79 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 80 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 81 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 82 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 83 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 84 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 85 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 86 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 87 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 88 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 89 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 90 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 91 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 92 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 93 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 94 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 95 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 96 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 97 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 98 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 99 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 100 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 101 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 102 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 103 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 104 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 105 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 106 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 107 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 108 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 109 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 110 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 111 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 112 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 113 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 114 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 115 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 116 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 117 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 118 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 119 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 120 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 121 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 122 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 123 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 124 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 125 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 126 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 127 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 128 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 129 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 130 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 131 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 132 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 133 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 134 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 135 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 136 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 137 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 138 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 139 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 140 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 141 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 142 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 143 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 144 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 145 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 146 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 147 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 148 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 149 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 150 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 151 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 152 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 153 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 154 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 155 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 156 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 157 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 158 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 159 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 160 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 161 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 162 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 163 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 164 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 165 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 166 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 167 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 168 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 169 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 170 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 171 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 172 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 173 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 174 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 175 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 176 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 177 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 178 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 179 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 180 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 181 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 182 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 183 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 184 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 185 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 186 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 187 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 188 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 189 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 190 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 191 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 192 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 193 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 194 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 195 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 196 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 197 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 198 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 199 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 200 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 201 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 202 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 203 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 204 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 205 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 206 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 207 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 208 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 209 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 210 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 211 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 212 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 213 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 214 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 215 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 216 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 217 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 218 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 219 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 220 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 221 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 222 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 223 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 224 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 225 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 226 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 227 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 228 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 229 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 230 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 231 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 232 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 233 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 234 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 235 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 236 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 237 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 238 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 239 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 240 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 241 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 242 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 243 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 244 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 245 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 246 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 247 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 248 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 249 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 250 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 251 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 252 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 253 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 254 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 255 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 256 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 257 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 258 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 259 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 260 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 261 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 262 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 263 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 264 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 265 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 266 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 267 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 268 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 269 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 270 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 271 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 272 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 273 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 274 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 275 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 276 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 277 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 278 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 279 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 280 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 281 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 282 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 283 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 284 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 285 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 286 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 287 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 288 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 289 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 290 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 291 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 292 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 293 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 294 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 295 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 296 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 297 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 298 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 299 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 300 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 301 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 302 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 303 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 304 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 305 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 306 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 307 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 308 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 309 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 310 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 311 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 312 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 313 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 314 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 315 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 316 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 317 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 318 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 319 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 320 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 321 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 322 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 323 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 324 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 325 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 326 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 327 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 328 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 329 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 330 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 331 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 332 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 333 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 334 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 335 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 336 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 337 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 338 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 339 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 340 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 341 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 342 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 343 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 344 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 345 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 346 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 347 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 348 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 349 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 350 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 351 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 352 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 353 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 354 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 355 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 356 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 357 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 358 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 359 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 360 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 361 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 362 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 363 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 364 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 365 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 366 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 367 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 368 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 369 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 370 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 371 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 372 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 373 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 374 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 375 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 376 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 377 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 378 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 379 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 380 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 381 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 382 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 383 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 384 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 385 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 386 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 387 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 388 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 389 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 390 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 391 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 392 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 393 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 394 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 395 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 396 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 397 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 398 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 399 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 400 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 401 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 402 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 403 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 404 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 405 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 406 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 407 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 408 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 409 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 410 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 411 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 412 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 413 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 414 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 415 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 416 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 417 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 418 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 419 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 420 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 421 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 422 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 423 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 424 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 425 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 426 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 427 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 428 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 429 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 430 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 431 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 432 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 433 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 434 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 435 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 436 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 437 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 438 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 439 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 440 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 441 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 442 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 443 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 444 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 445 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 446 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 447 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 448 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 449 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 450 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 451 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 452 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 453 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 454 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 455 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 456 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 457 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 458 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 459 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 460 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 461 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 462 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 463 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 464 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 465 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 466 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 467 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 468 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 469 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 470 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 471 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 472 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 473 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 474 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 475 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 476 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 477 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 478 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 479 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 480 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 481 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 482 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 483 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 484 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 485 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 486 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 487 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 488 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 489 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 490 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 491 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 492 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 493 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 494 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 495 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 496 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 497 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 498 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 499 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 500 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 501 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 502 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 503 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 504 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 505 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 506 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 507 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 508 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 509 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 510 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 511 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 512 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 513 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 514 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 515 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 516 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 517 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 518 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 519 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 520 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 521 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 522 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 523 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 524 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 525 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 526 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 527 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 528 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 529 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 530 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 531 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 532 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 533 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 534 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 535 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 536 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 537 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 538 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 539 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 540 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 541 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 542 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 543 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 544 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 545 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 546 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 547 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 548 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 549 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 550 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 551 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 552 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 553 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 554 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 555 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 556 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 557 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 558 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 559 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 560 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 561 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 562 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 563 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 564 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 565 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 566 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 567 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 568 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 569 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 570 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 571 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 572 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 573 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 574 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 575 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 576 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 577 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 578 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 579 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 580 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 581 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 582 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 583 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 584 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 585 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 586 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 587 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 588 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 589 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 590 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 591 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 592 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 593 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 594 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 595 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 596 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 597 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 598 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 599 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 600 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 601 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 602 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 603 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 604 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 605 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 606 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 607 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 608 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 609 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 610 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 611 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 612 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 613 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 614 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 615 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 616 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 617 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 618 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 619 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 620 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 621 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 622 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 623 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 624 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 625 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 626 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 627 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 628 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 629 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 630 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 631 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 632 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 633 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 634 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 635 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 636 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 637 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 638 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 639 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 640 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 641 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 642 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 643 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 644 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 645 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 646 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 647 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 648 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 649 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 650 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 651 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 652 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 653 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 654 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 655 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 656 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 657 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 658 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 659 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 660 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 661 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 662 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 663 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 664 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 665 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 666 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 667 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 668 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 669 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 670 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 671 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 672 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 673 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 674 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 675 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 676 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 677 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 678 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 679 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 680 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 681 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 682 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 683 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 684 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 685 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 686 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 687 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 688 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 689 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 690 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 691 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 692 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 693 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 694 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 695 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 696 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 697 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 698 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 699 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 700 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 701 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 702 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 703 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 704 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 705 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 706 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 707 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 708 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 709 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 710 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 711 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 712 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 713 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 714 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 715 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 716 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 717 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 718 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 719 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 720 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 721 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 722 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 723 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 724 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 725 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 726 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 727 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 728 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 729 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 730 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 731 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 732 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 733 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 734 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 735 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 736 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 737 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 738 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 739 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 740 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 741 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 742 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 743 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 744 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 745 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 746 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 747 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 748 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 749 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 750 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 751 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 752 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 753 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 754 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 755 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 756 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 757 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 758 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 759 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 760 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 761 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 762 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 763 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 764 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 765 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 766 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 767 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 768 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 769 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 770 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 771 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 772 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 773 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 774 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 775 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 776 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 777 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 778 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 779 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 780 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 781 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 782 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 783 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 784 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 785 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 786 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 787 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 788 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 789 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 790 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 791 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 792 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 793 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 794 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 795 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 796 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 797 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 798 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 799 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 800 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 801 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 802 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 803 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 804 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 805 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 806 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 807 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 808 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 809 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 810 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 811 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 812 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 813 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 814 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 815 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 816 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 817 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 818 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 819 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 820 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 821 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 822 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 823 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 824 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 825 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 826 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 827 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 828 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 829 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 830 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 831 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 832 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 833 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | SATZ 834 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|-------------|--|----------------|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|-------------|--|----------------|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

| Sanktionen |   |   |   |     |      |            |  |
|------------|---|---|---|-----|------|------------|--|
| V          | B | H | D | A/B | Satz | Spielstand |  |

| Bemerkungen |  |
|-------------|--|
|             |  |

| Schiedsgericht |                   | Linienrichter   |  |
|----------------|-------------------|-----------------|--|
| 1              | Heinrich, Claudia | 1               |  |
| 2              | Müller, Ina       | 2               |  |
| Schr.          |                   | Maudrich, Nancy |  |
| Assist.        |                   | Humdache, Leyla |  |

| Ergebnisse        |   |   |    |      |       |    |                  |   |   |  |  |  |  |
|-------------------|---|---|----|------|-------|----|------------------|---|---|--|--|--|--|
| Ⓐ AC Taucha       |   |   |    |      |       |    | LE Volleys ... Ⓑ |   |   |  |  |  |  |
| A                 | W | G | P  | Satz | Dauer | P  | G                | W | A |  |  |  |  |
| 0                 | 0 | 1 | 25 | 1    | 22    | 15 | 0                | 0 | 1 |  |  |  |  |
| 1                 | 1 | 1 | 25 | 2    | 20    | 9  | 0                | 2 | 2 |  |  |  |  |
| 0                 | 1 | 1 | 25 | 3    | 22    | 18 | 0                | 0 | 0 |  |  |  |  |
|                   |   |   |    | 4    |       |    |                  |   |   |  |  |  |  |
|                   |   |   |    | 5    |       |    |                  |   |   |  |  |  |  |
| 1                 | 2 | 3 | 75 |      | 64    | 42 | 0                | 2 | 3 |  |  |  |  |
| Start: 14:00      |   |   |    |      |       |    | Ende: 15:10      |   |   |  |  |  |  |
| Dauer: 1:10       |   |   |    |      |       |    | Dauer: 1:10      |   |   |  |  |  |  |
| Sieger: AC Taucha |   |   |    |      |       |    | 3:0              |   |   |  |  |  |  |

| Ⓐ AC Taucha 14/14 |                         | Ⓑ LE Volleys ... 9/14 |               |
|-------------------|-------------------------|-----------------------|---------------|
| 2                 | Kühnapfel, Lili Paulin  | X                     |               |
| 3                 | Reithel, Sarah          | X                     |               |
| 4                 | Ⓒ Schröder, Finja Elisa | X                     |               |
| 6                 | Daene, Sandra           | X                     |               |
| 9                 | Minker, Emily           | X                     |               |
| 12                | Klauß, Sanna            | X                     |               |
| 13                | Sturm, Pauline          | X                     |               |
| 14                | Herdzin, Lilith         | X                     |               |
| 15                | Christ, Anouk           |                       |               |
| 17                | Zarnke, Marie           |                       |               |
| 18                | Herdzin, Ruth           |                       |               |
| 19                | Krämer, Marlene         | X                     |               |
| 22                | Linke, Anja             | X                     |               |
| 23                | Masius, Celine          | X                     |               |
| Ⓐ Libero          |                         | Ⓑ Libero              |               |
| 2                 | Kühnapfel, Lili Paulin  | X                     |               |
| 9                 | Minker, Emily           | X                     |               |
| Ⓐ Offizielle      |                         | Ⓑ Offizielle          |               |
| T                 | Ell, Tim                |                       |               |
| CT                | Klemm, Andreas          |                       |               |
| SC                | Schein, Robert          | E                     |               |
|                   |                         | CT                    | Kußnow, Henry |